c. वि *i.q. simpl.* MAH. 3.180.: विद्योतन्ते प्रावृषि तव रश्मयः· — *Caus.* collustrare. N. 13.50.

द्युति *f.* (a r. द्युत् s. इ, nisi potius a r. दिव् s. ति, mutato व् in उ) lumen, splendor. N. 12.72.

द्युमत्सेन (BAH. e द्युमत् - a द्यु s. मत् - splendidus? et सेना) *n. pr.* SA. 2.18.

द्यूत *m.n.* (r. दिव् ludere, mutato व् in ऊ, s. त) lusus. N. 7.5.

द्यो *f.* (r. दिव् splendere, mutato व् in उ, adjectâ *Gunâ*) coelum. M. 43. (Cf. दिव्, द्यु; lat. *Jov-is* e *Djov-is*; gr. Ζεύς, cujus Ζ respondet sanscrito य्, sicut e. c. in ζεύγνυμι = युनज्मि jungo, Διός pro ΔιϜός = दिवस्; v. gr. comp. 122.)

द्रम् 1. P. (गतौ) ire. (Cf. द्रु, द्रवामि, unde fortasse द्रमामि, mutato व् in म्, sicut in gr. ΔΡΕΜΩ, ἔδραμον, v. gr. comp. §. 109[b]. 1.)

द्रव (r. द्रु s. अ) fluens, liquidus, liquefactus. RAGH. 7.7.

द्रवत्व *n.* (a praec. s. त्व) liquiditas, fusura. HIT. 24.

द्रविण *n.* (r. द्रु s. इन, cf. द्रव्य) res, divitiae, opes. N. 13. 17. 17. 27.

द्रव्य *n.* (r. द्रु s. य, v. gr. 626.) opes, divitiae. BR. 2.26. BH. 4.28. N. 8.5.

द्रव्यमय (a praec. s. मय) divitiis oriundus. BH. 4.33.

द्रष्टुकाम (BAH. e द्रष्टुम् videre, v. gr. 667, et काम cupido, desiderium) videndi cupidinem habens. SU. 3.25.

द्रष्टुशक्य (KARM. e द्रष्टुम् videre, v. gr. 667, et शक्य *part. fut. pass.* r. शक् posse, s. य) quod cerni, conspici potest. IN. 2.6.

द्रा 2. P. fugere. (Gr. διδράσκω, ἔδραν; *cf.* द्रु.)

द्राक् *Adv.* (r. द्रा s. क्) cito. AM.

द्राक्षा *f.* uva. RAGH. 4.65. (Fortasse germ. vet. *drûbo*; nostrum *Traube*, mutatâ gutturali in labialem; hib. *dearc* bacca; gr. ῬΑΓ abjecto δ; lat. *racemus.*)

द्राख् 1. P. arescere. K.: द्राखति हिमेन वृक्षः· (Cf. ध्राख्, तृष्; germ. vet. *trukan*; anglo-sax. *drig*, *drigg* aridus; island. vet. *thurka* exsiccare.

द्राघ् 1. A. (आयासे K. अमायामशक्तिषु V.) operam dare, adniti; defatigari; longum esse; valere. — *Caus.* extendere, augere. BHATT. 18.33.: द्राघयन्ति मे शोकं स्मर्यमाणा गुणास् तव· (Cf. दीर्घ, comp. द्राघीयस्, superl. द्राघिष्ठ·)

द्राङ्क्ष् 1. P. (घोरवाशिते K. काङ्क्षे घोररुते V.; scribitur द्राक्ष्, gr. 110[a].) horrendum sonum edere, *de avibus*; desiderare. (*Cf.* ध्राङ्क्ष्.)

द्राड् 1. A. (विशरणे K. शीर्णे V.) frangi, findi, destrui, perire, tabescere, marcescere. K.: द्राडते पुष्पम्· (*Cf.* ध्राड्, द्रू.)

द्राह् 1. A. (जागरे K. जागरे निक्षेपे V.) vigilare; dejicere, deponere.

1. द्रु 1. P. 1) currere, fugere. SU. 2.17.: तयोर् भयाद् दुद्रुवुस् ते; BH. 11.36.: रक्षांसि भीतानि दिशो द्रवन्ति· द्रुतम् *Adv.* celeriter. N. 23.15. 2) fluere. BH. 11.28.: नदीनाम् बहवो ऽम्बुवेगाः समुद्रम् ... द्रवन्ति· द्रुत fluens, BHATT. 2.12.: सलिलन् द्रुतम्; circumfusus, MEGH. 100.: अश्रद्रुतम् (Schol. वाष्पद्रुतम्); v. द्रव· (Gr. ΔΡΕΜΩ, ἔδραμον = अद्रवम् mutato व् in μ, cf. द्रम्; goth. *DRIB* pellere (*us-dreiba* expello = द्रवामि, attenuato *a* in *i*, mutato *v* in *b*) sensu convenit cum *Caus.* द्रावयामि; germ. vet. *TRIB* pellere, *TRUF* stillare (*triufu, trauf, trufumês*); anglo-sax. *driope* stillo; lith. *drebu* tremo, *drimba* vehementer stillat, *pa-dribbà* lippitudo; hib. *driogaim* «I trickle, drop, distil»; *drabh* currus. Fortasse etiam nostrum *Thau*, germ. vet. *tau*, gen. *touwes* ros huc pertinet, ita ut *tau* mutilatum sit e *trau*. Denique huc traxerim nomen fluminis *Dravi*, *dravu-s* = द्रवस् fluens.)

c. अनु sequi. RAGH. 3.38.: तं राजसुतैर् अनुद्रुतम्; 16.25.: अनुद्रुतो वायुर् इवा ऽभ्रवृन्दैः सैन्यैः·

c. अभि accurrere, incursare. N. 23.24.: इन्द्रसेनाम् ... अभिद्रुत्य; DR. 5.20.: गदाहस्तम् भीमम् अभिद्रवन्तम्; SA. 6.43.: व्यसनैर् अभिद्रुतङ् कुलम्· — ATM. H. 4.17.: अभ्यद्रवत सङ्क्रुद्धः·